



04 - हर दृढ़ के खिलाफ थे डॉ. आबेडकर



05 - प्राचीन ध्यान का आधुनिक विज्ञान द्वारा प्रमाणीकरण

A Daily News Magazine

इंदौर
शनिवार, 21 दिसंबर, 2024



06 -अभी वाहन चालकों को और कुछ समय करना पड़ेगा इंतजार



07 -भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में लाने के लिए म.प्र....

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 83, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2

(डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)



subahsaverenews@gmail.com



facebook.com/subahsaverenews



www.subahsavere.news



twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

एक इच्छा लड़की की चूड़ियों में चलती है पहले वह टूटें उसके बिस्तर पर फिर टूटें उसकी चौखट पर लेकिन चौखट पर क्यों? क्योंकि लड़की के भीतर एक शोकमयी औरत है और जो विधवा है है नहीं लेकिन हो जाएगी जो लड़की का डर उसकी धमनियों से काँपता चूड़ियों तक चलता है काँपती है उनमें लड़की की इच्छा काँपता है उनमें लड़की का शोक शोक?

आदमी कहीं है लड़की का? आदमी जिसका मातम उसकी धमनियों में है और इच्छा जिसकी उसकी चूड़ियों में आदमी उसका फँसा है किसी दूसरी देह में किसी दूसरे सपने में, दूसरे दुख, दूसरे आँसू में उसका हर दुख, सपना, आँसू लड़की की मातमी पकड़ से घरे है...

लेकिन लड़की तो लड़की है उसमें वही आदिम भोलापन पागलपन, मरनपन भरा है जिसकी सजा किसी आने वाले कल वह उस आदमी को देगी जब तोड़ेगी अपनी चूड़ियाँ...

- गगन गिल

प्रसंगवश

आशुतोष देशमुख

भारत के कप्तान रोहित शर्मा और अश्विन ने एक समानता है। जो मन में है उसे बोलने में दोनों एक क्षण भी नहीं हिचकिचाते। ब्रिसबेन टेस्ट के अंतिम दिन डॉ के बाद पत्रकार परिषद में अश्विन ने रोहित की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बिदाई की घोषणा की। दिलचस्प यह है कि रोहित ने अपने पहले ही क्रिकेट मैच में जो शतक जमाया था, तब नॉन-स्ट्राइकिंग छोर पर अश्विन ही थे। ब्रिसबेन में हालाँकि अश्विन ने पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर नहीं दिए, लेकिन रोहित ने बगैर संकोच के कहा कि 106 मैचों में 537 विकेट लेने वाले अश्विन को ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत से ही यह लगने लगा था कि अब भारतीय टीम को उनकी जरूरत नहीं है। खुदवार अश्विन ने यही बेहतर समझा कि बजाय टीम के साथ लटक रहे के, टीम को और क्रिकेट को अलविदा कह दें। वह उन्होंने कर दिया।

एक समय था, विश्व क्रिकेट में भारत की स्पिन चौकड़ी की धाक थी। एक स्तरीय तेज गेंदबाज के अभाव में हालत यह भी थी कि पाँचवें- छठे ओवर में ही स्पिन गेंदबाज को बुलाना पड़ता था। उस चौकड़ी में दक्षिण के दो ऑफ स्पिन गेंदबाज प्रसन्ना और वेंकट राघवन सम्मिलित थे। प्रसन्ना एक आक्रामक, सामान्य से ज्यादा उछाल दे कर बल्लेबाज को ललचा कर अपने जाल में फँसाने वाले तो वेंकट अचूक गेंदबाजी, असीमित धैर्य और समय आने पर बल्लेबाजी भी करने वाले। रविचंद्रन अश्विन ऑफ स्पिन गेंदबाजी में प्रसन्ना और वेंकट राघवन का आदर्श मिश्रण रहे। अपने खेल जीवन में भारतीय क्रिकेट में अश्विन का योगदान कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा है। सीमित ओवरों के

क्रिकेट में, 2011 विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीमों का हिस्सा होना उनके करियर का मुख्य आकर्षण रहा है। लेकिन ये तो हुई आँकड़ों की बात। इसके परे देखें तो अश्विन के रूप में भारतीय क्रिकेट से एक ऐसे क्रिकेटर ने विदाई ली है जो क्रिकेट का खेल भी पूरे धैर्य के साथ शतरंज की तरह खेलता था। ऐसे अथाह किस्से हैं जो उन्हें अन्य गेंदबाजों से अलग करते हैं। शतरंज के माहिर खिलाड़ी अश्विन कहते हैं, 'मेरी क्रिकेट में सफलता का श्रेय मेरे शतरंज ज्ञान को भी है। मैंने शतरंज से ही सीखा कि अंतिम जीत के लिए प्रारम्भ में कुछ मोहरे (फ़ील्डर) खोने में कुछ भी गलत नहीं।' 2016 के आईपीएल में अश्विन ने ए बी डिविलियर्स को ऐसे ही फँसाया। मिड विकेट को हटा कर धीमी और वाइड गेंदें डाल कर डिविलियर्स को ललचाया कि वो हवा में गेंद खेलें। कुछ चौके लगे भी। लेकिन अचानक एक धीमी गेंद के मोह में डिविलियर्स ने छक्का मारने की कोशिश की लेकिन पकड़े गए। डेविड वॉर्नर, ऐलिस्टर कुक और बेन स्टोक्स तो उनके खास मुर्गे थे।

अश्विन का क्रिकेट केवल गेंदबाजी के हुनर का क्रिकेट नहीं था। वो खिलाड़ी के मन मस्तिष्क में भी छेड़छाड़ करते थे। आईपीएल के ही एक मैच में जब पोलाई अश्विन के सामने आए तो उन्होंने पोलाई को बस इतना कहा कि मैंने आपकी कमजोरी पकड़ ली है और उसी के अनुसार बॉलिंग करूँगा। बस! पोलाई अपना खेल भूलकर अतिरिक्त सावधानी के साथ खेलने लगे और आउट हो गए। जब वो लौट रहे थे, अश्विन ने कहा मैं तो मज़ाक कर रहा था। डेविड वॉर्नर भी अश्विन को भूल नहीं सकते। 2017 के बंगलुरु टेस्ट में अश्विन ने उन्हें लगातार

ऑफ स्पिन आक्रमण कर व्यस्त रखा और फिर उसी एक्शन और उसी लेंथ के साथ अचानक एक आर्मर गेंद फेंकी जो ठीक विपरीत दिशा में स्पिन हुई। बल्लेबाज की सोच के आगे जा कर सोचना अश्विन की विशेषता रही है।

अश्विन के क्रिकेट का मूल्यांकन करते समय एक बात हमेशा भुला दी जाती है, वो है उनकी बल्लेबाजी। टेस्ट क्रिकेट में 537 विकेट लेने वाले रविचंद्रन को भारतीय क्रिकेट उनकी बल्लेबाजी के लिए भी भूल नहीं सकता। 106 टेस्ट मैच में उन्होंने 3509 रन बनाए जिसमें 6 शतक और 14 अर्ध शतक भी हैं। अश्विन की जिस पारी को मैं भारतीय क्रिकेट की सर्वोत्तम पारियों में निस्संकोच शामिल करूँगा वो सन 2013 में कोलकाता के इंडन गार्डन पर वेस्ट इंडीज के विरुद्ध खेली उनकी 124 रन की पारी है। अश्विन की पारी देखने योग्य थी। न केवल उन्होंने अपना विकेट बचाकर रखा, वरन समय समय पर हाथ खोलकर (11 चौके) बिंदास बल्लेबाजी भी की। आज अश्विन के क्रिकेट जीवन की उस बात की भी चर्चा की जानी चाहिए जिसके कारण वो विश्व क्रिकेट में वो विवादों में रहे हैं। यह विवाद है माँकडिंग का। माँकडिंग, कहते हैं जब एक गेंदबाज नॉन-स्ट्राइकिंग बल्लेबाज को रन आउट कर देता है। मतलब गेंदबाज द्वारा गेंद छोड़ने से पहले ही जब नॉन-स्ट्राइकिंग बल्लेबाज क्रीज छोड़ देता है तो गेंदबाज गेंद डालने के पहले ही स्टम्प उड़ाकर बल्लेबाज को रन आउट कर देता है। यह नाम महान भारतीय ऑलराउंडर वीनू मांकड़ से लिया गया है, जिन्होंने 1947 में सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के बिल ब्राउन को इसी अंदाज में रन आउट किया था। हालाँकि क्रिकेट के नियम गेंदबाजों को बल्लेबाज

को रन आउट करने की इजाजत देते हैं, लेकिन क्रिकेट का अभिजात्य विश्व इसे खेल की भावना के खिलाफ मानता है। अश्विन को विश्व क्रिकेट में इसी बात के लिए विलेन माना जाता रहा है। अश्विन ने कई बार इस नियम का उपयोग किया और हर बार विवादों में फँसे। श्रीलंका के विरुद्ध अश्विन ने 2012 के एकदिवसीय मैच में खुद को माँकडिंग की स्थिति में पाया था जब उन्होंने लाहिरू थिरमाने को माँकडिंग किया। उस समय थिरमाने 44 पर खेल रहे थे। पहले तो अम्पायर को लगा शायद अश्विन अपील को लेकर गम्भीर नहीं हैं। लेकिन जब अश्विन अड़े रहे तो अम्पायर ने पहले कैप्टन वीरेन्द्र सहवाग को बुलाया और समझाया कि यह भले ही नियम में हो लेकिन क्रिकेट की स्प्रिट के खिलाफ है। इसमें दो मत नहीं कि अश्विन को भारतीय क्रिकेट में वो इज्जत नहीं मिली, जिसके वो हकदार थे। आखिर किस गेंदबाज ने एक दिवसीय मुक़ाबले में एक ओवर में बगैर एक रन दिए 4 बल्लेबाजों को आउट किया। इसीलिए अश्विन के मन में शायद हमेशा एक तरह की कुंठा रही। उन्हें 'अच्छ' तो माना गया लेकिन 'सर्वश्रेष्ठ' नहीं। इसीलिए 2021 के इंग्लैंड दौरे पर जब रवि शास्त्री ने अश्विन से लाइव प्रसारण में पूछा कि उन्होंने बेन स्टोक्स और जो रूट जैसे धुरधुर बल्लेबाजों को कैसे आउट किया तो अश्विन का जवाब था, 'कुछ नहीं सर, विकेट और फ़ील्डर्स ने सहयोग दिया'। सवाल यही है कि इस क्रिकेटिंग जिनीयस के ज्ञान का उपयोग भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड करता है या नहीं?

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

कुछ लोग सोचते हैं 'मंदिर-मस्जिद' चिल्लाकर हिंदुओं के नेता बन जाएंगे

भागवत बोले-हर दिन मंदिर-मस्जिद विवाद उठाया जा रहा, ये सही नहीं

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर चिंता जताई। भागवत ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि वे ऐसे मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन जाएंगे। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। भागवत बोले- भारत को यह दिखाने की जरूरत है कि हम एक साथ रह सकते हैं।

हम लंबे समय से सदभावना के साथ रह रहे हैं। अगर हम दुनिया को यह सदभावना देना चाहते हैं, तो हमें इसका एक मॉडल बनाने की जरूरत है। भागवत ने किसी का नाम लिए बिना कहा- ये स्वीकार नहीं पुणे में सहजीवन व्याख्यानमाला में भारत विश्वगुरु पर व्याख्यान देते हुए भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने किसी विशेष स्थान का नाम

लिए बिना कहा, हर दिन एक नया मामला (विवाद) उठाया जा रहा है। इसकी अनुमति कैसे



दी जा सकती है। हाल के दिनों में मंदिरों का पता लगाने के लिए मस्जिदों के सर्वेक्षण की कई मांगें अदालतों में पहुंची हैं। हालाँकि, भागवत ने अपने व्याख्यान में किसी का नाम नहीं लिया।

हरियाणा के पूर्व सीएम ओपी चौटाला का निधन



गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं इनलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला का निधन हो गया है। वे 89 साल के थे। शुक्रवार को वे गुरुग्राम में अपने घर पर थे। उन्हें दिल का दौरा पड़ा। जिसके बाद साढ़े 11 बजे उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में लाया गया। करीब आधे घंटे बाद दोपहर 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। इसका पता चलते ही उनके बड़े बेटे अजय और पोते पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला अस्पताल में पहुंचे। वहीं अस्पताल के बाहर उनके समर्थकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। उधर, सिरसा के गांव तेजा खेड़ा में उनके फार्म हाउस पर सन्नाटा छाया हुआ है। यहां पर कल दोपहर 3 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।



200 मीटर का इलाका बना आग का गोला, हर ओर मचा हाहाकार

● राजस्थान के जयपुर में एलपीजी टैंकर में ब्लास्ट, 11 जिंदा जले 40 गाड़ियों में लगी आग, 33 से ज्यादा झुलसे, उड़ते पक्षी जले

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में शुक्रवार सुबह अजमेर हाईवे पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने एलपीजी गैस से भरे टैंकर में धमाका हो गया। हादसे में 11 लोग जिंदा जल गए और 33 लोग झुलस गए हैं।

गैस टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी। इससे टैंकर से गैस का रिसाव हुआ, जो 200 मीटर तक फैल गई, जिसने अचानक आग पकड़ ली। धीरे-धीरे



इसके साथ ही पूरा इलाका आग का गोला बन गया।

एक किलोमीटर तक यह आग फैल गई। जानकारी के अनुसार टैंकर सुबह करीब अजमेर से जयपुर की ओर आ रहा था। सुबह करीब 5.44 मिनट पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने से वह वापस अजमेर की ओर यू-टर्न ले रहा था। इसी दौरान जयपुर से आ रहा ट्रक टैंकर से भिड़ गया।

भोपाल के जंगल में 11 करोड़ कैश, 52 किलो सोना मिला

आयकर-पुलिस को थी खुफिया जानकारी, आईटी टीम रात 2 बजे पहुंची, 2 दिन में 51 ठिकानों पर छापे

भोपाल (नप्र)। आयकर विभाग को भोपाल के मेंडोरी के जंगल में गुरुवार देर रात एक कार से 52 किलो सोना मिला। इसके अलावा, 11 करोड़ रुपए कैश भी बरामद हुए हैं। सोने की कीमत करीब 40 करोड़ 47 लाख रुपए आंकी गई है। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये सोना और कैश किसका है। आयकर विभाग (आईटी) को यह बड़ी कामयाबी मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट कारोबारियों पर रेड के बीच मिली है। आयकर विभाग ने दो दिन में भोपाल और इंदौर में 51 ठिकानों पर छापेमारी की है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि सोना और कैश का कनेक्शन बिल्डर्स और आरटीओ के पूर्व कॉन्स्ट्रक्टर सौरभ शर्मा के यहां चल रही



कार्रवाई से तो नहीं है। जिस कार से सोना और कैश मिला है वह चेतन गौर नाम के व्यक्ति को बताई जा रही है।

आयकर के साथ पुलिस को भी मिली थी खुफिया जानकारी- आयकर विभाग के सुर्जों के मुताबिक, एक खुफिया जानकारी मिली थी कि जंगल में एक कार में कैश है, जिस कहीं ले जाया जा रहा है। इसके बाद टीम गुरुवार की रात करीब दो बजे मेंडोरी पहुंची। जंगल में इनोवा कार के पास पहले से करीब 100 पुलिसकर्मी और 30 गाड़ियां थीं। संभवतः पुलिस को भी इसके बारे में सूचना मिली होगी। आयकर की टीम ने कार की सर्चिंग की तो नकदी के साथ सोना भी मिला।

सौरभ शर्मा का दोस्त है कार मालिक चेतन गौर

आयकर विभाग की जांच में खुलासा हुआ है कि मेंडोरी में विनय असनानी के मकान के बाहर लावारिस हालत में जो इनोवा कार मिली है वह चेतन गौर की है। चेतन लोकायुक्त पुलिस के छापे की जांच में आए सौरभ शर्मा का दोस्त है। बताया जा रहा है कि जब आयकर विभाग के अफसरों ने चेतन गौर से इस मामले में पूछताछ की तो उसने कहा कि सोना और पैसा कहां से आया और किसका है, इसकी उसे जानकारी नहीं है। उसने ये जरूर माना कि वह आरटीओ के पूर्व आक्षक सौरभ शर्मा का दोस्त है। टीम अब इस आधार पर आगे की जांच करेगी।





हिंदू विवाह पवित्र रिश्ता है कोई ‘व्यापारिक सौदा’ नहीं

- सुप्रीम कोर्ट बोला-पति से ‘पैसे ऐंठने’ के औजार नहीं हैं यह कानून
- महिलाओं के कल्याण के लिए बने कानूनों के दुरुपयोग पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने वाले कानूनों के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने

कहा है कि महिलाओं के कल्याण के लिए बने सख्त कानून पतियों को ‘सजा देने, धमकाने, दबाने या उनसे पैसे ऐंठने’ के लिए नहीं हैं। जस्टिस बीवी नागरला और जस्टिस पंकज मिश्र ने कहा कि हिंदू विवाह एक पवित्र बंधन है, परिवार की नौव है, कोई ‘व्यापारिक सौदा’ नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी एक वैवाहिक विवाद का निपटारा करते हुए की। शीर्ष अदालत ने तलाक को मंजूरी देते हुए पत्नी की तरफ से पति के खिलाफ दर्ज कराए गए सभी आपराधिक मामलों को भी रद्द कर दिया। यह मामला एक अलग हुए दंपति के बीच तलाक का था, जिसमें पति को पत्नी को 12



करोड़ रुपये का स्थायी गुजारा देने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने उन मामलों पर चिंता जताई जहां पत्नी और उसका परिवार पति और उसके परिवार से पैसे ऐंठने के लिए आपराधिक शिकायतों का इस्तेमाल करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पुलिस कभी-कभी जल्दबाजी में कार्रवाई करती है और पति या उसके रिश्तेदारों को गिरफ्तार कर लेती है। ऐसे मामलों में जमानत मिलना भी मुश्किल होता है। कोर्ट ने कहा कि पतियों को ध्यान रखना चाहिए कि ये कानून उनकी भलाई के लिए हैं, न कि पतियों को परेशान करने के लिए।

संक्षिप्त समाचार

संभल में सांसद जिया उर रहमान के घर चला बुलडोजर
बिजली चोरी के केस के बाद नई मुसीबत में फंसे एसपी नेता

संभल (एजेंसी)। संभल में सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई है। प्रशासन ने घर के बाहर नाली के ऊपर बनी सीढ़ियों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। हाल ही में उनके खिलाफ बिजली चोरी के आरोप में केस भी दर्ज हुआ है। शुक्रवार को दीपा सराय स्थित समाजवादी पार्टी से सांसद जियाउरहमान बर्क के घर के बाहर नगर पालिका के बुलडोजर ने दस्तक दी। यहां सांसद के घर के बाहर बनी सीढ़ियों पर बुलडोजर कार्रवाई की गई। यहां



बुलडोजर ने तोड़फोड़ की वहीं अवैध निर्माण के आरोप में जिला प्रशासन की तरफ से पहले ही उन्हें नोटिस थमाया जा चुका है। इस पर सांसद के वकील की तरफ से एक माह के समय की मांग की गई थी। इसी दौरान अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर सांसद की सीढ़ियां ध्वस्त कर दी गईं। इस तरह, जहां एक तरफ आज जुमे की नमाज की तैयारी चल रही थी वहीं दूसरी तरफ बुलडोजर एक्शन जारी है। संभल पिछले कई दिनों से चर्चा में है। पहले जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर यह सुर्खियों में रहा। इसके बाद सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के घर बिजली चोरी के आरोप लगे।

दाल में कुछ काला है या सब कुछ ही काला है

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि जब राज्य सरकार को सिलेक्शन में गड़बड़ी का पता चल चुका था, तो शिक्षकों की अतिरिक्त पद पर नियुक्ति क्यों की गई। सीजेआई सजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने बंगाल



सरकार से पूछा-अतिरिक्त पद बनाने का उद्देश्य क्या था। गड़बड़ी का पता लगने के बावजूद आपने दागी उम्मीदवारों को बाहर क्यों नहीं किया। दाल में कुछ काला है या सब कुछ काला है। दरअसल, 2016 में पश्चिम बंगाल के स्कूल सेवा आयोग में शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल को राज्य सरकार और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द कर दी थी। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं लगाई गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल को हटाए गए शिक्षकों के खिलाफ सीबीआई जांच से रोक लगा दी थी।

महाकुंभ जाने वालों को स्पाइसजेट ने दी खुशखबरी

प्रयागराज जाने के लिए स्पेशल फ्लाइट्स का किया ऐलान

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी बीच स्पाइसजेट एयरलाइन्स ने भी भक्तों के लिए खुशखबरी दी है। खबर है कि कंपनी ने प्रयागराज के लिए विशेष फ्लाइट्स का ऐलान किया है, जो रोज उड़ान भरेंगी। महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी 2025 से होने जा रही है। स्पाइसजेट एयरलाइन्स ने जानकारी दी है कि खास महाकुंभ के लिए दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु और अहमदाबाद से प्रयागराज तक स्पेशल फ्लाइट्स शुरू



की जा रही है।

ये उड़ानें 12 जनवरी से शुरू होकर 28 फरवरी 2025 तक संचालित होंगी। इनके चलते लाखों

तीर्थयात्रियों को लाभ मिलने के आसार हैं। कंपनी ने कहा कि सिर्फ स्पाइसजेट ही अहमदाबाद से प्रयागराज तक नॉन स्टॉप फ्लाइट्स संचालित कर रही है। कंपनी के चीफ बिजनेस ऑफिसर देबोजो महर्षि ने कहा, महाकुंभ मेला सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि आस्था, भक्ति और एकता का प्रतीक है। स्पाइसजेट में हम इस अविश्वसनीय यात्रा के लिए आसान कनेक्टिविटी और सुविधानजक यात्रा प्रदान कर गर्व महसूस कर रहे हैं। चार बड़े शहरों से प्रयागराज तक

स्पेशल डेली फ्लाइट्स के जरिए हमारा मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देशभर से श्रद्धालु यात्रा की चिंता के बगैर इस पवित्र आयोजन में शामिल हो सकें।

भारी विवाद के बीच संसद का शीतकालीन सत्र खत्म

- कुल 20 बैठकें हुईं, मात्र 105 घंटे ही चली कार्यवाही
- अडाणी-मणिपुर और अबेडकर के मुद्दे पर हुआ हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार को समाप्त हो गया। यह सत्र 25 नवंबर से शुरू हुआ था। पूरे सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोजेक्टिविटी 54 फीसदी, राज्यसभा में 41 फीसदी रही। सदन में कुल चार बिल पेश किए गए। हालांकि, कोई पारित नहीं हो सका। सबसे चर्चित एक देश, एक चुनाव के लिए पेश हुआ 129 वें संविधान (संशोधन) बिल रहा। इस बिल को समीक्षा के लिए 39 सदस्यीय जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के पास भेजा गया। कमेटी में



लोकसभा से 27 और राज्यसभा से 12 सांसदों को चुना गया है। कमेटी को संसद के अगले सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन लोकसभा में रिपोर्ट देनी होगी। सत्र की शुरुआत अडाणी मुद्दे पर हंगामे से हुई। फिर विपक्षी सांसदों ने मणिपुर और किसानों का मुद्दा भी उठाया। सत्र खत्म होते-होते अबेडकर मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ।

सनातन ने सबको दी शरण, फिर भी मंदिरों को बनाया गया निशाना

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभल मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हर काल में हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया। हर समय हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। सनातन ने सबको शरण दी। इसके बावजूद यह धर्म हर किसी के निशाने पर रहा। उन्होंने कहा कि अयोध्या, संभल और भोजपुर में मंदिर तोड़े गए। सीएम योगी अयोध्या धाम में आयोजित अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ, पंच नारायण महायज्ञ कार्यक्रम में भाग लेने के बाद संबोधन में अपनी बात रखी। दरअसल, पिछले दिनों संभल और भोजपुर का मामला खासा गरमाया रहा है। संभल में शाही जामा मस्जिद सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हिंसा भड़की थी। इसमें पांच लोग मारे गए। इसके बाद योगी सरकार ने कड़ा ऐक्शन लिया है। लगातार वहां प्रशासनिक कार्रवाई जारी है। बुलडोजर एक्शन से लेकर बिजली चोरी तक के मामले की जांच चल रही है। इस बीच अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह बड़ा बयान देकर एक नई बहस शुरू कर दी है।



सीएम योगी बोले-

अयोध्या, संभल और भोजपुर में तोड़े गए मंदिर सीएम योगी ने कहा, हर समय हिंदू मंदिरों पर आघात

प्रियंका की बैग पॉलिटिक्स में अब 1984 की एंट्री

बीजेपी सांसद अपराजिता सांरगी ने प्रियंका को गिफ्ट में दिया बैग

- इसमें ‘खून से 1984’ लिखा हुआ था, सिख दंगों की ओर इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार के संसद सत्र में अपने बैग को लेकर चर्चा में रहीं सांसद प्रियंका गांधी के साथ एक अजीब वाक्या हुआ। संसद परिसर के अंदर उन्हें बीजेपी सांसद अपराजिता सांरगी ने एक बैग गिफ्ट किया जिसमें 1984 लिखा हुआ था।

अपराजिता सांरगी ने बताया कि पहले तो उन्होंने इस बैग को लेने में हिचकिचाहट दिखाई, लेकिन बाद में उन्होंने ले लिया और अपने पास छुपा लिया। बता दें कि साल 1984 में कांग्रेस के ही राज में सिख दंगे हुए थे, जिसे लेकर अक्सर



बीजेपी उसे कटघरे में खड़ी करती रहती है। आज संसद सत्र का आखिरी दिन था। सभी सांसदों की तरह वायनाड सांसद प्रियंका गांधी भी संसद परिसर के अंदर थीं। जैसे ही वह संसद के गलियारे में पहुंचीं, पीछे से

भुवनेश्वर सीट से बीजेपी सांसद अपराजिता सांरगी पहुंचीं। उन्होंने आगे चल रही प्रियंका को एक बैग थमाया। उस बैग में खून से 1984 लिखा हुआ था। पहले तो प्रियंका इसे लेने में हिचकिचाई, फिर इसे लेकर छिपा लिया।

रणजीत अष्टमी महोत्सव की शुरु

इंदौर कलेक्टर ने बाबा का पूजन कर ध्वजारोहण किया, 51 हजार दीपों से सजेगा मंदिर परिसर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर में शुक्रवार से 4 दिवसीय रणजीत अष्टमी महोत्सव शुरूआत हो गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने मंदिर में पूजन के बाद ध्वजारोहण किया। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। चार दिनों तक अलग-अलग आयोजन मंदिर परिसर में होंगे। मुख्य आयोजन प्रभातफेरी का रहेगा, जो 23 दिसंबर की सुबह 5 बजे मंदिर परिसर से निकलेगी। मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास ने बताया कि रणजीत अष्टमी पर होने वाला यह आयोजन मंदिर का परंपरागत उत्सव है। इसे लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है। शुक्रवार को महोत्सव की शुरुआत हो गई है। सुबह कलेक्टर आशीष सिंह मंदिर पहुंचे और पूजन के बाद मंदिर में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद 11 हजार ध्वजाओं का पूजन भी मंदिर परिसर में किया गया।

मातृ शक्ति और पुरुषों के हाथों में होगी 11 हजार ध्वजाएँ- पं.दीपेश व्यास ने बताया कि, जिन 11 हजार ध्वजाओं का पूजन किया गया। ये ध्वजा 23 दिसंबर को



सवा लाख रक्षा सूत्रों होंगे अभिमंत्रित

पं.दीपेश व्यास ने बताया कि 22 दिसंबर को सवा लाख रक्षा सूत्रों को अभिमंत्रित किया जाएगा। पूरे विधि-विधान के साथ इन रक्षा सूत्रों को अभिमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही बाबा के विग्रह का अभिषेक किया जाएगा। ये सभी रक्षा सूत्र अभिमंत्रित करने के बाद इन्हें प्रभातफेरी के बाद भक्तों में निशुचल वितरित किया जाएगा।

निकलने वाली प्रभातफेरी में मातृ शक्तियों और पुरुषों के हाथों में रहेगी। इन ध्वजाओं के साथ मातृ शक्तियां और पुरुष प्रभातफेरी में शामिल होकर चलेंगे।

रात में होगा भजन संध्या का आयोजन- महोत्सव की अगले दिन यानी शनिवार को मंदिर परिसर 51 हजार दीपों की रोशनी से जगमग होगा। मंदिर परिसर में

दीपोत्सव मनाया जाएगा। सैकड़ों भक्त यहां बाबा के दर्शन करने आएंगे। मंदिर परिसर में दीपोत्सव के बाद रात में भजन संध्या का आयोजन होगा। भजन संध्या देर रात तक जारी रहेगी। जिसमें भक्त भजनों पर झुमेंगे।

23 दिसंबर को निकलेगी प्रताभफेरी

महोत्सव के अंतर्गत 23 दिसंबर को बाबा की भव्य प्रभातफेरी सुबह 5 बजे निकलेगी। करीब 4 किमी लंबा यात्रा मार्ग रहेगा। सुबह 5 बजे बाबा स्वर्ण रथ में विराजित होकर भक्तों को दर्शन देने के लिए निकलेंगे। प्रभातफेरी मंदिर परिसर से शुरू होकर द्रविड़ नगर चौराहे से महुनाका चौराहा। महुनाका चौराहे से दशहरा मैदान होते हुए अन्नपूर्णा मंदिर पहुंचेंगी। अन्नपूर्णा मंदिर से यात्रा नरेंद्र तिवारी मार्ग होते हुए वापस मंदिर परिसर पर समाप्त होगी। पिछले साल यात्रा में करीब 5 लाख भक्त शामिल हुए थे। इस बार उम्मीद है कि 5 लाख से ज्यादा भक्त प्रभातफेरी में शामिल होंगे।

इंदौर में एमआर 12 सड़क पर उतरा सीएम का हेलिकॉप्टर



इंदौर (नप्र)। इंदौर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हेलिकॉप्टर एमआर 12 सड़क पर उतरा। लव-कुश चौराहे से बाइपास तक लगभग साढ़े 9 किलोमीटर लंबी और 60 मीटर चौड़ी इस सड़क पर हेलीकाप्टर उतरा और यही से रवाना भी हुआ। इस सड़क की कुल लागत 185 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री सुबह 11:45 बजे जिले के डॉ. अंबेडकर नगर महु के हेलीपेड पहुंचे, जहां वे डॉ. बीआर अंबेडकर यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इसके बाद वे दोपहर 1.10 बजे

हेलीकाप्टर से रवाना होकर दोपहर 1.20 बजे एमआर-12 स्थित हेलीपेड पहुंचे। इंदौर में एमआर 12 से वे दोपहर 1.30 बजे ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचकर निवेश की जागरूकता संबंधी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री दोपहर 2 बजे एमआर-12 के हेलीपेड से हेलीकाप्टर द्वारा आगर-मालवा जिले के सुसनेर पहुंचे। सुसनेर में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद इंदौर लौटेंगे और शाम को अटल बिहारी वाजपेयी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

इंदौर में जुआं खेलते पकड़ाया पार्षद

ढाई लाख रुपए जब्त, कार्रवाई रोकने अधिकारियों को फोन लगाते रहे भाजपा नेता

इंदौर (नप्र)। इंदौर की कनाड़िया पुलिस ने गुरुवार देर रात खजुराना इलाके के वार्ड-40 से भाजपा पार्षद और उसके साथियों को जुआं खेलते पकड़ा है। रात में सभी को थाने लाकर जुआं एक्ट में कार्रवाई कर सभी को जमानत दे दी। जानकारी के मुताबिक बरसाना गार्डन बायपास रोड से पुलिस ने रात में 5 लोगों को जुआं खेलते हुए पकड़ा। इनमें भाजपा नेता पुष्पेन्द्र केलाश चंद्र पाटीदार, निवासी खजुराना, प्रदीप यशोदा नंद गुप्ता, निवासी गणेशपुरी, दीपक गोकुलदास मोहनवाने, निवासी अनुराग नगर, भरत केदारमल अग्रवाल, निवासी शालीमार टाउनशिप तिलक नगर और धीरज प्रकाश जैन, निवासी खजुराना शामिल हैं। आरोपियों के पास से करीब 2 लाख 54 हजार रुपए जब्त किए गए। नेताओं ने लगाए अफसरों को फोन पुष्पेन्द्र पाटीदार पर कार्रवाई नहीं करने को लेकर बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं ने रात में पुलिस अधिकारियों को कॉल किए थे। हालांकि अधिकारियों ने कार्रवाई करने की बात कहते हुए पुष्पेन्द्र को आरोपी बनाया है।

क्राइम ब्रांच ने दिल्ली से ड्रग तस्क़र को पकड़ा

एक कार्रवाई के दौरान नाइजीरिया मूल के आरोपी पर मिला था इनपुट



इंदौर (नप्र)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने नाइजीरिया मूल के व्यक्ति को पकड़ा है। आरोपी विदेशों से एमडी ड्रग मंगवा कर देशभर में सप्लाई करता था। टीम उसे दिल्ली में गिरफ्तार कर गुरुवार रात इंदौर लेकर आई है। इंदौर क्राइम ब्रांच ने दिल्ली से एंथनी नाम के व्यक्ति को पकड़ा है। पिछले दिनों क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग को लेकर बड़ी कार्रवाई की थी। यहीं से आरोपी का इनपुट मिला था। आरोपी को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमों दिल्ली भेजी गई थी। गिरफ्तारी के दौरान काफी मात्रा में एमडी ड्रग बरामद हुई है।

पश्चिम बंगाल की नाबालिग गुमशुदा बच्ची को खोजा

इंदौर की संस्था आस के सदस्यों ने ग्राम जामली से बच्ची को संरक्षण में लेकर पुलिस को साँपा



इंदौर (नप्र)। शहर की एक सामाजिक संस्था ने पश्चिम बंगाल से गुमशुदा एक बालिका को शहर के लगे गांव जामली में ढूंढ निकाला। जैसा कि संस्था आस के सदस्यों ने बताया, उन्हें बचपन बचाओ आंदोलन की टीम से सूचना मिली कि एक 14 वर्षीय नाबालिग बालिका पश्चिम बंगाल से गुमशुदा है, जिसके मिलने की संभावना गवली पलासिया क्षेत्र की जामली पंचायत में है। इस मामले में संस्था आस द्वारा तुरंत सज्जान में लेकर एक टीम गठित की गई, जिसमें शामिल राहुल गोठाने, शुभम देवल, यासमीन खान, शिवकन्या बघेल एवं श्रीराम ओसाई गांव जामली में पहुंचे। संस्था आस ने रणनीति अनुसार बालिका की खोजबीन की गई। बालिका को सिलोक नाम के बालक के साथ डेढ़ घंटे के अंदर ढूंढ लिया गया। इन बालक/बालिका को संरक्षण में लेकर जामली गांव के अंतर्गत आने वाले संबंधित थाने बड़गोड़ा को सूचना देकर पुलिस को बुलाया। पुलिस इन बालक/बालिका को लेकर थाने पहुंची। इसके बाद बालिका की पश्चिम बंगाल में जहां पर गुमशुदगी दर्ज थी, वहां पर बालिका के मिल जाने की सूचना दी गई।

कांग्रेसियों ने अमित शाह का पुतला जलाने की कोशिश की

इंदौर में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय घेरा, अज्ञात पर एफआईआर

इंदौर (नप्र)। इंदौर शहर युवा कांग्रेस की ओर से बाबा साहब के अपमान के साथ भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय पर किए गए कथित हमले के विरोध में देर रात वीर सावरकर की मूर्ति के सामने जंजीर वाला चौराहे पर गुहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन करने की कोशिश की। युवा कांग्रेस कार्यकर्ता अमित शाह का पुतला जला पाते उससे पहले ही पुलिस ने उनसे छीन लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस से हल्की झुमाझटकी भी की। इस पुतला दहन कार्यक्रम में स्वप्निल कांबले, सरफराज अंसारी, रितेश नायक और रोहित जनवाल सहित अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद थे। इंदौर में भाजपा युवा मोर्चा ने कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन



का घेराव कर दिया। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर पर काला ऑयल फेंका। पत्थर भी फेंके। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोका। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हो गई। निलंबित चल रहे कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुरजीत

कार्यकर्ताओं पर कराई एफआईआर कांग्रेस कार्यालय पर प्रदर्शन के विरोध में कांग्रेस के नेता गुरुवार रात पंढरीनाथ थाने पहुंचे। इनमें पूर्व विधायक अश्विन जोशी, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव सहित अन्य नेता शामिल थे। जोशी ने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अफसरों ने कहा कि आप लिखित में दे दीजिए। पूर्व विधायक जोशी ने कहा कि, जब पुलिस वहां मौजूद थी, तो हम लिखकर क्यों दें। इस मामले में पुलिस को आगे बढ़कर कार्रवाई करना चाहिए। जिसके बाद अज्ञात के नाम से पंढरीनाथ थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई।

अरशद ने हरीश बनकर किया रेप धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव, फिर भाई ने भी चाकू की नॉक पर किया दुष्कर्म, 6 पर केस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के चंदन नगर में एक 24 साल की युवती के साथ रेप, अन-नेचुरल सेक्स, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने और धमकाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। आरोपी ने हरीश बनकर युवती से दोस्ती की। युवती से रेप के बाद शादी के नाम पर धर्म परिवर्तन को लेकर दबाव बनाया और मारपीट की। चंदन नगर पुलिस ने इलाके में रहने वाली युवती की शिकायत पर हरीश ठाकुर उर्फ अरशद पठान और उसके भाई साबिर पर रेप व धर्म परिवर्तन के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपियों के पिता



कादिर और परिवार की तीन महिलाओं को धमकाने और मारपीट के मामले में आरोपी बनाया है। पीड़िता ने बताया कि वह अपनी मां के साथ फेरी लगाकर सामान बेचती है। आरोपी हरीश उर्फ अरशद ऑटो ड्राइवर है। करीब 6 माह पहले ऑटो रिक्शा से जाने के दौरान उससे संपर्क हुआ था। तब उसने अपना नाम हरीश बताया। इसके बाद वह रोज लाने ले जाने का काम करने लगा।

दिल्ली का अफसर बन इंदौर के कारोबारी से ठगी

इंदौर (नप्र)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने लाखों रुपए की ठगी के मामले में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों ने इंदौर के बिजनेसमैन को दिल्ली से कॉल कर कई अकाउंट में रुपए ट्रांसफर कराए हैं। जिन अकाउंट में रुपए ट्रांसफर हुए हैं उन लोगों को पकड़ने के लिए कई टीमों प्रदेश के बाहर गई हैं। सुशील कुमार श्रीवास्तव ने 47 लाख 70 हजार की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अनुसार उन्होंने एचडीएफसी का एक्सीडेंटल प्लान लिया था। जिसकी वैल्यू 15 लाख थी। जनवरी 2024 से प्रीमियम नहीं भरा। पॉलिसी में जमा रुपए लेने के लिए उन्होंने एक वेबसाइट में संपर्क किया, जहां से एक टोल फ्री नंबर दिया गया। फरियादी ने दिए गए नंबर पर संपर्क कर पॉलिसी में जमा रुपए वापस देने की बात कही। लेकिन तब जानकारी नहीं मिली।

30 सितंबर को आया पहला कॉल- सुशील के पास 30 सितंबर को अनजान नंबर से कॉल आया। कॉलर ने अपना नाम विनीत

अलग-अलग खातों में डलवाए 47 लाख रुपए, क्राइम ब्रांच की टीम तलाश में जुटी



शुक्ला बताया। पॉलिसी पर कोई क्लेम नहीं लेने की बात कही। बीमा कंपनी से एनओसी लेने के लिए भी कहा। तब सुशील ने लोकपाल में शिकायत दर्ज कराने और मामले में जल्द निपटान करने के लिए कहा। इस दौरान गोंगों द्वारा सुशील कुमार को बताया गया कि आपका अमाउंट लोकपाल के अधिकृत अकाउंट से ट्रांसफर किया जाएगा। जिसमें कार्रवाई के बाद बीमा कंपनी हमें पे करेगी। इस दौरान फरियादी ने वरिष्ठ अफसरों को शिकायत भेजने की बात कही।

बैंक का जोनल मैनेजर बन एनओसी

देने को कहा- 1 अक्टूबर को ठग ने खुद को बैंक का जोनल मैनेजर डीएस मल्होत्रा बताते हुए सुशील को कॉल किया। ठगों द्वारा कहा कि आपने सीधे लोकपाल में शिकायत कर दी। आपको पहले बीमा कंपनी में बात करना चाहिए थी। अब 44 हजार रुपए ही वापस किए जाएंगे। इस दौरान एक कोड हटाने के लिए कुछ रुपए अकाउंट में मांगे गए। जिसका भुगतान फरियादी ने किसी नितिन सागर नाम व्यक्ति के कोटक बैंक अकाउंट में किया।

4 दिन बाद अकाउंट वैरिफिकेशन के नाम पर फिर ठगा- इसके बाद 5 अक्टूबर को किसी रहेजा नाम के व्यक्ति ने फरियादी से संपर्क कर बताया कि 10 लाख से ज्यादा का पेमेंट अकाउंट में किया जाना है। इस लिए दूसरा अकाउंट देना होगा। तब सुशील ने एचडीएफसी का अकाउंट नंबर दिया।

महिला ने अपने दोस्तों से कराया बेटे का यौन शोषण

इसका वीडियो बनाया, मां को गलत हरकत करते हुए देख लिया था



गया। दोनों ने लात-घुंसों से पीटा। बोले कि पिता को कुछ बताया, तो तुझे, पिता और बहन को जान से खत्म कर देंगे।

मेरा वीडियो बनाकर वायरल करने की

धमकी देते थे पीड़ित ने पुलिस को बताया, मामा से बात करने के बाद मां ने शाहिद और साहिल को बुलाया। दोनों ने घर आकर मेरे साथ गंदी हरकत की। इसका वीडियो मां ने बनाया। इसके बाद मां, शाहिद

और साहिल ने मुझे धमकी दी कि अगर शाहिद और मां की हरकत के बारे में पिता या किसी को बताया, तो ये वीडियो वायरल कर देंगे। दोनों अगले महीने फिर से घर पर आए और मेरे साथ गलत हरकत की। मां ने मुझे कहा कि ये सब चलता है, इसलिए किसी को कुछ बताना मत। इसके बाद वे दिसंबर तक मेरे साथ गलत हरकत करते रहे। वे हर बार मुझे, पिता और बहन को मारने की धमकी देते थे। इसलिए मैं बदरिशत करता रहा।

मामा इंदौर से मुझे उत्तरप्रदेश ले गए, वहां धमकाया

नाबालिग ने पुलिस को बताया, पिछले साल दिसंबर में मेरे छोटे मामा इंदौर आए। वे मुझे अपने साथ उत्तरप्रदेश ले गए। वहां उन्होंने भी मेरे साथ गलत हरकत की। तब मेरी नानी ने मुझे बचाया। कुछ दिन बाद मैं वहां से भागकर फिर इंदौर आ गया। वहां से इंदौर आने के बाद शाहिद और साहिल लगातार मेरे साथ गलत हरकत करने लगे। कुछ दिन पहले मैंने पिता को पूरा घटनाक्रम बताया। तब वे मुझे लेकर खजुराना थाने पहुंचे।

विश्व ध्यान दिवस पर विशेष

डॉ लोकेन्द्र सिंह कोट

लेखक योग, ध्यान, के प्रशिक्षक हैं।

ध्यान न एक और प्राचीन विज्ञान है। यह एक मन-प्रशिक्षण तकनीक है जिसका पिछले दो दशकों से न्यूरोसाइंटिस्ट मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए इसके लाभों को साबित करने के लिए अध्ययन कर रहे हैं। परंपरागत रूप से, लोग आध्यात्मिक विकास के लिए ध्यान करते हैं/ साथ ही दया, करुणा और प्रपोकार जैसे अपने सर्वोत्तम गुणों को सामने लाने के लिए। ध्यान के स्वास्थ्य लाभों पर हाल ही में वैज्ञानिक जांच लोगों को ध्यान करने का एक और व्यावहारिक कारण दे रही है, जिसमें तंत्रिका विज्ञान ने ध्यान के कई लाभकारी स्वास्थ्य प्रभावों को मान्य किया है। जबकि ध्यान अनुसंधान अभी भी प्रारंभिक चरण में है, अब तक के अध्ययनों से ध्यान के लाभों की एक लंबी सूची का पता चलता है जो सभी को आकर्षित कर रहे हैं/ इन अध्ययनों को रेंडम नियंत्रित परीक्षणों और fMRI स्कैनर और EEG जैसे वैज्ञानिक उपकरणों के साथ अनुभवजन्य रूप से सिद्ध किया गया है।

ध्यान के वैज्ञानिक लाभ

ध्यान पर हाल ही में हुए अनुसंधान हमें बताते हैं कि ध्यान के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य लाभ सत्यापित होकर नए आयाम प्रस्तुत कर रहे हैं

रक्तचाप कम करता है

ध्यान करने से रक्तचाप कम होता है, सृजन कम होती है, सर्कैडियन लय नियमित होती है और रलूकोज चयापचय स्थिर होता है। दो समूहो पर एक अध्ययन में पाया गया कि आठ सप्ताह तक ध्यान करने से नाइट्रिक ऑक्साइड के स्तर में वृद्धि हुई - वह अणु जो रक्तचाप को नियंत्रण में रखने में मदद करता है - जबकि जिस समूह ने ध्यान नहीं किया था का स्तर वही रहा।

ध्यान का यह लाभ संभावित रूप से जीवन रक्षक है, क्योंकि उच्च रक्तचाप दुनिया में मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। अपने रक्तचाप को कम करके आप दिल के दौरै या स्ट्रोक से मृत्यु के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

खुशी में सुधार करता है

वैज्ञानिक अध्ययनों ने स्थापित किया है कि खुशी का सबसे बड़ा कारण ध्यान ही है। ध्यान हमें वर्तमान में लाता

सरोकार

डॉ आर के पालीवाल

लेखक गांधीवादी विचारक हैं।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हमारे देश की वर्तमान राजनीति के लिए एक ऐसा तुरूप का इक्का बन गया है जिसे अपने अपने दल के ताश की गद्दी में जोड़ने के लिए अमूमन हर दल लालायित है। संसद में डॉ अम्बेडकर को लेकर जिस तरह की तीखी नोंकझोंक हाल ही में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुई है वह इसी जहोजहद का नतीजा है जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। गृह मंत्री अमित शाह ने अपने तथ्याकथित विवादित बयान में एक बात तो सच कही है कि अंबेडकर का नाम राजनीतिक दलों ने फैशन की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। समस्या यह है कि वोट बदोरेने के लिए अम्बेडकर के नाम का दुरुपयोग हाथी के दिखावटी दांत की तरह लागभग सभी दल एक दूसरे से ज्यादा करना चाहते हैं। अमित शाह के बचाव में उतरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विवाद को कांग्रेस की तरफ घुमाते हुए अम्बेडकर को कमतर दिखाने का सारा दोष कांग्रेस और प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के सिर मढ़ दिया। यह भी आजकल

विशेष- विश्व ध्यान दिवस

हिमालय सिद्ध अक्षर

(विख्यात अंतरराष्ट्रीय योग गुरु)

ह मारी बढ़ती जटिल और तेज रफ्तार की दुनिया में, ध्यान एक परिवर्तनकारी अभ्यास के रूप में उभरा है जो मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए विशेष लाभ प्रदान करता है। विश्व स्तर पर ध्यान सभी को आकर्षित करता है एवं असाधारण क्षमता के लिए पहचाना जाता है। वैध्क शांति और व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ावा देने में ध्यान के सांभौमिक महत्व को स्वीकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषणा करके ऐतिहासिक निर्णय लिया है। कोविड के बाद की दुनिया में, मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान विशेष रूप से प्रभावशाली साबित हुआ है। तनाव और चिंता से ग्रसित इस युग में, आधुनिक मनोवैज्ञानिक के लिए चुनौती बने हुए कई रोगों के लिए यह प्राचीन प्रथा एक शक्तिशाली उपचार प्रदान करती है। नियमित ध्यान अभ्यास से व्यक्तियों का तनाव कम होता है, नकारात्मक सोच का चक्र टूटता है,आंतरिक शांति को विकसित करने की क्षमता उजागर होती है। ध्यान पर हो रहे अनेक वैज्ञानिक रिसर्च उसके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरे प्रभाव को प्रदर्शित करता है।

न्यूरोलॉजिकल अध्ययनों से पता चलता है कि लगातार ध्यान करने से मस्तिष्क सक्रिय होता है। मस्तिष्क में स्थित %अमिगडाला% की सक्रियता को कम कर सकता है। क्षेत्र जो भय और तनाव प्रतिक्रियाओं के लिए जिम्मेदार है। इस न्यूरोप्लास्टिसिटी का मतलब है कि चुनौतीपूर्ण स्थितियों में व्यक्ति का प्रतिक्रिया देने के तरीके को मौलिक रूप से बदला जा सता है। डिप्रेशन मैनेजमेंट एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहां ध्यान उल्लेखनीय क्षमता दिखाता है। अध्ययनों से पता चला है कि ध्यान (माइंडफुलनेस मेडिटेशन) के द्वारा मध्यम स्तरीय डिप्रेशन का औषधीय उपचार जितना ही प्रभावी हो सकता है। अपने विचारों को गहराई से देखने की क्षमता विकसित होने के कारण ध्यान विनाशकारी मानसिक

प्राचीनध्यानकाआधुनिकविज्ञानद्वाराप्रमाणीकरण

है और अपनी प्रत्येक गतिविधि के प्रति जागरूक करता है, ध्यान हमारे मन को प्रशिक्षित करता है। दूसरी ओर, मन-भटकना, खुशी के घटते स्तरों से जुड़ा हुआ है। यह जानने के लिए एक अध्ययन किया गया कि क्या ध्यान वास्तव में मन-भटकने को कम करता है और इसलिए समग्र खुशी बढ़ाता है। परिणामों से पता चला कि मन-भटकने के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क के हिस्से के भीतर गतिविधि को काफी कम कर दिया, जबकि जिन्होंने ध्यान नहीं किया था उसमे वह अपरिवर्तित रहा। ध्यान करने से न केवल ध्यान के दौरान मन की भटकन कम होती है, बल्कि यदि कोई नियमित ध्यान का अभ्यास करता है तो इन प्रभावों को बनाए रखा जा सकता है और मजबूत किया जा सकता है।

अवसाद, तनाव और चिंता के लक्षणों को कम करता है

अध्ययन बताते हैं कि कैसे ध्यान तनाव और चिंता को कम कर सकता है, जिससे अवसाद कम होता है। दो प्राथमिक मस्तिष्क क्षेत्र जिन्हें न्यूरोसाइंटिस्ट अवसाद से जोड़ते हैं, वे हैं औसत दर्जे का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (मी-सेंटर) और एमिगडाला (डर का केंद्र)। औसत दर्जे का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स तनाव और चिंता पर प्रतिक्रिया करता है, जो परिणामस्वरूप एमिगडाला को तनाव हार्मोन कोर्टिसोल जारी करने का संकेत देता है। ध्यान तनाव और चिंता के प्रति आपकी प्रतिक्रिया को कम करके इस संबंध को तोड़ता है, जो फिर एमिगडाला को कम कोर्टिसोल जारी करने का संकेत देता है, जिससे तनाव का स्तर नियंत्रण में रहता है।

ध्यान के अभ्यास को माध्यम से व्यवस्थित रूप से तनाव कम करने के लिए माना गया था, लेकिन बाद में यह साबित हो गया है कि यह अवसाद, चिंता, पुराने दर्द, कैसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और प्रतिरक्षा विकारों सहित कई पुरानी बीमारियों से लड़ने में भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

ध्यान और स्मृति में सुधार करता है

एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि 2 सप्ताह के ध्यान के बाद विचलित करने वाले विचारों में कमी आई, साथ ही दिमाग के भटकने से जुड़े क्षेत्रों की गतिविधि में भी कमी आई। ध्यान अभ्यास से ध्यान और स्मृति में सुधार केवल ध्यान के दौरान या उसके तुरंत बाद के क्षणों तक ही सीमित नहीं है। नियमित ध्यान अभ्यास से, व्यक्ति पूरे दिन या पूरे

सप्ताह इन लाभों को बनाए रख सकता है।

आत्म-नियंत्रण और व्यसनकारी आदतों में सुधार करता है

ध्यान धूम्रपान की लालसा को कैसे कम कर सकता है, इसकी जांच के माध्यम से, मनोवैज्ञानिकों ने पाया कि ध्यान आत्म-नियंत्रण क्षमता में सुधार कर सकता है और इसलिए नशे की लत को कम कर सकता है। ध्यान के बाद, लत से संबंधित मस्तिष्क के क्षेत्रों में गतिविधि कम



हो गई। कई व्यसन नकारात्मक भावनाओं और तनाव से संबंधित हैं, इसलिए ध्यान एक उपयोगी उपकरण है क्योंकि यह इन दो अनुभवों को विनियमित करने में भी मदद कर सकता है। इस अध्ययन का एक दिलचस्प पहलू यह था कि प्रतिभागियों को धूम्रपान छोड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं थी और न ही उनसे ऐसा करने के लिए कहा गया था। ध्यान के साथ उनकी धूम्रपान की आदतें और लालसा स्वाभाविक रूप से कम हो गई। कुछ प्रतिभागियों को तो यह भी पता नहीं चला कि वे लगातार ध्यान करने के बाद कम धूम्रपान कर रहे थे।

पुराने दर्द के लक्षणों को कम करता है

ध्यान का अभ्यास पुराने दर्द को कम करने से संबंधित मस्तिष्क क्षेत्रों का विस्तार कर सकता है। दिलचस्प बात यह है कि ध्यान के माध्यम से संवेदनशीलता को कम करने से प्रतिभागियों को दर्द को अनदेखा करने के लिए नहीं कहा जाता है, बल्कि दर्द के प्रति सचेत जागरूकता और

खुलेपन को विकसित करके कम किया जाता है। यह काम इसलिए करता है क्योंकि बचने से चिंता बढ़ती है, जिससे दर्द और अन्य नकारात्मक स्वास्थ्य और मानसिक स्थितियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है। इसलिए दर्द के प्रति सचेत खुलापन वास्तव में दर्द को कम कर सकता है।

क्रोनिक दर्द के लिए सहायता के रूप में ध्यान का उपयोग करने का एक लाभ यह है कि यह दर्द को दबाने का काम नहीं करता है - दर्द निवारक दवाओं से विपरीत यह दर्द के मूल तंत्रिका संबंधी कारणों को दूर करने का एक दीर्घकालिक समाधान है।

नींद में सुधार करता है

लोगों को कई कारणों से नींद न आने की समस्या होती है, लेकिन दो सामान्य कारण हैं, एक मानसिक स्वास्थ्य और दूसरा पुराना दर्द। ध्यान करने से मानसिक स्वास्थ्य में मदद मिलती है - खुशी बढ़ती है और तनाव और चिंता कम होती है एक बार फिर, कुछ स्थितियों में, ध्यान दवा से ज्यादा उपयोगी हो सकता है क्योंकि यह केवल लक्षणों को दबाने के बजाय नींद न आने के मूल कारण को संशोधित करता है। चूंकि कई नींद की दवाओं से अत्यधिक नशे की लत भी हो सकती हैं, इसलिए ध्यान एक स्वस्थ विकल्प है जो कई अन्य स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है और प्रतिकूल दुष्प्रभावों के बिना पूरे जीवनकाल तक इसका अभ्यास किया जा सकता है।

नियमित ध्यान अभ्यास मस्तिष्क पर प्रभाव डालता है

नियमित ध्यान अभ्यास से मस्तिष्क पर सबसे बड़ा प्रभाव न्यूरोप्लास्टिसिटी में वृद्धि है। न्यूरोप्लास्टिसिटी नए तंत्रिका मार्गों के निर्माण के माध्यम से हमारे मस्तिष्क की संरचना और संगठन को बदलने की क्षमता है। यह व्यायाम, आदत और ध्यान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है, हार्वर्ड के पूर्व छात्र डॉ. रिची डेविडसन जैसे वैज्ञानिकों ने ध्यान और न्यूरोप्लास्टिसिटी के अध्ययन में अग्रणी भूमिका निभाई है। मानसिक स्वास्थ्य और ध्यान अभ्यास के बीच संबंध को प्रदर्शित करते हुए, डेविडसन ने दिखाया है कि लोग खुशी और करुणा को प्रशिक्षित कौशल के रूप में सीख सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे आप संगीत वाद्ययंत्र बजाना, खाना बनाना या बास्केटबॉल या गोल्फ जैसे खेल में सुधार करना सीख सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ध्यान कार्यक्रमों के माध्यम से, लोग

अम्बेडकर विवाद और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

बनाने और उनकी प्रतिभा की पहचान कर उन्हें संविधान निर्माण में महती भूमिका निभाने देने में महात्मा गांधी और राजकुमारी अमृत कौर का सबसे ज्यादा योगदान है। उनकी इस योजना में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हीं के अनुरोध पर महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने एक सीट खाली कर डा अम्बेडकर को संविधान सभा में जगह दिलाई थी। यदि महात्मा गांधी के अनुरोध को सरदार वल्लभ भाई पटेल और जवाहर लाल नेहरू अनसुना कर देते तो डॉ अम्बेडकर को देश का कानून मंत्री बनने और संविधान निर्माण में ड्राफ्टिंग कमिटी का अध्यक्ष बनने का सौभाग्य ही नहीं मिलता और आजाद देश को उनकी सेवाओं से वंचित रहना पड़ता। जहां तक डॉ अम्बेडकर के मंत्रिमंडल से त्यागपत्र का संबंध है वे हिंदू कोड बिल पास करने के लिए इंतजार नहीं करना चाहते थे और जवाहर लाल नेहरू कट्टर हिंदुत्व के विरोध को शांत करने के लिए थोड़ा समय चाहते थे। अम्बेडकर को लगा कि जवाहर लाल नेहरू हिंदू महासभा और आर एस एस आदि के जबरदस्त विरोध के सामने झुक गए हैं। इसलिए उन्होंने अपनी बात मनती नहीं देख मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह सब घटनाएं विस्तार से मेरी किताब -अम्बेडकर जीवन और विचार- में दर्ज हैं, अधिक जानकारी के लिए अन्य ग्रंथों के साथ यह किताब भी पढ़ी जा सकती है।

विशेष- विश्व ध्यान दिवस

हिमालय सिद्ध अक्षर

(विख्यात अंतरराष्ट्रीय योग गुरु)

ह मारी बढ़ती जटिल और तेज रफ्तार की दुनिया में, ध्यान एक परिवर्तनकारी अभ्यास के रूप में उभरा है जो मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए विशेष लाभ प्रदान करता है। विश्व स्तर पर ध्यान सभी को आकर्षित करता है एवं असाधारण क्षमता के लिए पहचाना जाता है। वैध्क शांति और व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ावा देने में ध्यान के सांभौमिक महत्व को स्वीकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषणा करके ऐतिहासिक निर्णय लिया है। कोविड के बाद की दुनिया में, मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान विशेष रूप से प्रभावशाली साबित हुआ है। तनाव और चिंता से ग्रसित इस युग में, आधुनिक मनोवैज्ञानिक के लिए चुनौती बने हुए कई रोगों के लिए यह प्राचीन प्रथा एक शक्तिशाली उपचार प्रदान करती है। नियमित ध्यान अभ्यास से व्यक्तियों का तनाव कम होता है, नकारात्मक सोच का चक्र टूटता है,आंतरिक शांति को विकसित करने की क्षमता उजागर होती है। ध्यान पर हो रहे अनेक वैज्ञानिक रिसर्च उसके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरे प्रभाव को प्रदर्शित करता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान ही उपचार

संयुक्त राष्ट्र ने ध्यान के वैश्विक महत्व को समझते हुए आधिकारिक तौर पर 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मान्यता दी है । यह घोषणा व्यक्तिगत उपचार और सामूहिक शांति के लिए ध्यान के महत्व को दर्शाता है । संयुक्त राष्ट्र की यह घोषणा ध्यान के योगदान को स्वीकार करती है । ध्यान से जागरूकता और स्वमूल्यांकन का विकास होता है जिससे ग्रहणशक्ति, निष्पक्षता और वैश्विक कल्याण फलित होता है ।

पैटर्न को तोड़ने में मदद करता है और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। ध्यान का वास्तविक लाभ, तनाव कम करने से बहुत अधिक हैं। वैज्ञानिक शोध से संकेत मिलता है कि नियमित ध्यान अभ्यास मस्तिष्क को संरचना को शारीरिक रूप से बदल सकता है, विशेष रूप से स्मृति, शिक्षा और भावनात्मक संतुलन से जुड़े क्षेत्रों में।ध्यान करने वाले व्यक्ति गहरी एकाग्रता, बेहतर रचनात्मकता और परिष्कृत समस्या-समाधान कौशल विकसित होने की पुष्टि करते हैं। व्यावसायिक लोग और छात्रों दोनों के लिए, ध्यान फोकस और मानसिक स्पष्टता में सुधार के लिए एक प्राकृतिक तरीका है। मन को एकाग्र रखने और व्याकुलता को कम करने के लिए प्रशिक्षित करके,व्यक्ति बेहतर कार्य कर सकते हैं। ध्यान का प्रभाव केवल मानसिक प्रक्रियाओं तक ही सीमित नहीं है; यह शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। कई चिकित्सा अध्ययनों ने विभिन्न शारीरिक प्रणालियों पर इसके सकारात्मक प्रभावों का प्रमाण दिया है। नियमित अभ्यास कर्ताओं को निम्न रक्तचाप, बेहतर प्रतिरोधक क्षमता और शारीरिक सृजन में कमी का अनुभव होता है। नियमित ध्यान अभ्यास से हृदय पर होने वाले प्रभाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। तनाव को कम करके और शिथिलता को बढ़ावा देकर, ध्यान हृदय पर प्रभाव डालने वाले कई कारकों को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, इस से श्वसन क्रिया में सुधार और समग्र शारीरिक लचीलेपन से भी जोड़ा गया है।

ज्ञान का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है बेहतर नींद का आना। अनिद्रा के इस युग में, ध्यान एक प्राकृतिक समाधान प्रदान करता है। तंत्रिका तंत्र को शांत करके और मानसिक तनाव को कम करके, यह व्यक्तियों को आसानी से निद्रा में जाने में और आरामदायक, बेहतर शयन का आनंद लेने में मदद करता है। गंभीर दर्द से



पीड़ित लोगों को ध्यान के माध्यम से महत्वपूर्ण राहत मिली है। मस्तिष्क दर्द संकेतों संसाधित करके,यह अभ्यास दर्द की धारणा को कम कर सकता है और दर्द की सहनशीलता में सुधार लाता है। यह पारंपरिक चिकित्सा के साथ मूल्यवान सहायक के रूप में कार्य करता है। ध्यान के सबसे प्रभावशाली लाभों में से एक इसकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाने की क्षमता है। नियमित अभ्यासकर्ताओं में बढ़ी हुई आत्म-जागरूकता, बेहतर सहानुभूति और अधिक परिष्कृत भावनात्मक संतुलन विकसित होता है। ये कौशल बेहतर रिश्तों,

व्यक्तिगत और व्यावसायिक बातचीत के लिए अधिक दयालु दृष्टिकोण में तब्दील होते हैं।

ध्यान का असली सौंदर्य इसकी सुगमता में है। कई स्वास्थ्य प्रथाओं के विपरीत, ध्यान के लिए किसी विशेष उपकरण, महत्वपूर्ण वित्तीय निवेश या व्यापक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है। प्रतिदिन 10-15 मिनट भी सार्थक परिणाम दे सकते हैं। शुरुआत में विभिन्न तकनीकों का पता लगा सकते हैं, निर्देशित ध्यान से लेकर सरल साँस के सचेतन अभ्यास तक। ध्यान के विभिन्न प्रकार हैं। प्रत्येक अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बंद आँखों ध्यान - यह आंतरिक-केंद्रित तकनीक बाहरी विकर्षणों को दूर करके आत्म-जागरूकता को गहरा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। त्रिकोण ध्यान और त्रिनेत्र ध्यान जैसे अभ्यास अंतर्ज्ञान और आध्यात्मिक धारणा को बढ़ाते हुए विचारों और ऊर्जा में सामंsprय स्थापित करने में मदद करते हैं।

आंतरिक चेतना से जुड़कर, ये ध्यान अभ्यास मानसिक स्पष्टता, आत्म-जागरूकता और उन्नत अंतर्दृष्टि को बढ़ावा देते हैं। खुली आँखों का ध्यान -इस श्रेणी में, अभ्यासकर्ता सचेतनता विकसित करने और एकाग्रता में सुधार करने के लिए ,बाहरी वस्तुओं या उनके परिवेश पर ध्यान केंद्रित करते हैं। त्राटक जैसे तकनीक, जिसमें किसी लौ या चित्र को लगातार देखना शामिल है।इससे अटूट फोकस विकसित होता है और मन को शांत करने में मदद मिलती है। ये तकनीक व्यक्तियों को वर्तमान में

अपनी न्यूरोप्लास्टिसिटी बढ़ाते हैं, मस्तिष्क को स्वयं बदलते हैं जिससे वे खुद को, दूसरों को और दुनिया को देखने के तरीके को सकारात्मक रूप से बदल देते हैं।

ग्रे मैटर की वृद्धि करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित ध्यान अभ्यास से मस्तिष्क के फंटेल् कॉर्टेक्स में अधिक ग्रे मैटर बनता है , जो स्मृति और कार्यकारी निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क का क्षेत्र है। मस्तिष्क के इस हिस्से में अधिक ग्रे मैटर से स्मृति में वृद्धि होती है और भावनाओं, सामाजिक कौशल, आवेगों और मोटर कार्यों पर बेहतर नियंत्रण होता है । तंत्रिका वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि मस्तिष्क के अन्य क्षेत्रों में ग्रे मैटर का मोटा होना मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि से जुड़ा है तथा यह खुशी के स्तर का एक महत्वपूर्ण कारक है।

अमिगडाला के आकार में कमी लाता है

एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि ध्यान करने से अमिगडाला का आकार कम हो सकता है , जो मस्तिष्क का वह क्षेत्र है जो चिंता, भय और तनाव के लिए जिम्मेदार है।

मस्तिष्क का संरक्षण करता है

पहले बताए गए ग्रे मैटर की वृद्धि से मस्तिष्क के ऊतकों के संरक्षण में भी सुधार होता है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि लंबे समय तक ध्यान करने वालों का मस्तिष्क ध्यान न करने वालों की तुलना में 'बेहतर संरक्षित' था। जिन लोगों का मस्तिष्क 'उम्र को मात देने वाला' होता है, उन्हें बेहतर याददाश्त, मानसिक स्वास्थ्य, खुशी के स्तर और भावनाओं, सामाजिक कौशल, आवेगों और मोटर कार्यों पर बेहतर नियंत्रण का लाभ लंबे समय तक मिलता है ।

डिफॉल्ट मोड नेटवर्क (DMN) में गतिविधि कम हो जाती है

यह नेटवर्क - जिसे 'बंदर दिमाग' कहा जाता है - तब सक्रिय होता है जब हमारा मन भटकता है। वर्तमान क्षण से अलग होने की यह स्थिति दुख की ओर ले जाती है। न्यूरोप्लास्टिसिटी पर ध्यान के प्रभाव से आपके मस्तिष्क में होने वाले परिवर्तन मन-भटकने को कम कर सकते हैं और ध्यान को बेहतर बना सकते हैं, जिससे समग्र खुशी और संतुष्टि में सुधार हो सकता है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में NSUI ने उठाई दलित समाज से कुलगुरु बनाने की मांग

भोपाल। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में दलित समाज से कुलगुरु बनाने की मांग की है। वर्तमान में देश व प्रदेश में भीमराव आंबेडकर जी के ऊपर काफी सियासत गरमाई हुई है, ऐसे में कांग्रेस के छत्र संगठन के द्वारा विश्वविद्यालय में दलित समाज से कुलगुरु बनाने की मांग को दरकिनार नहीं किया जा सकता।

हट्टू प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने वीडियो जारी कर कहा कि वर्तमान में देश व प्रदेश में भाजपा सरकार दलितों व बाबा साहब का अपमान कर रही है, देश के सबसे बड़े पत्रकारिता के विश्वविद्यालय में लगातार दलित छात्रों व दलित शिक्षकों का अपमान किया जा रहा है। इस कठिन समय में दलित समाज के साथ कांग्रेस और एनएसयूआई सदैव खड़ी रहेगी। हमारी मांग है कि इस भेदभाव को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय में दलित समाज से आने वाले योग्य व्यक्तित्व को कुलगुरु बनाया जाना चाहिए जिससे सामाजिक एकता का उदाहरण स्थापित हो सके। शुक्रवार को एनएसआई के प्रदेश सह सचिव अमन पटान ने देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के प्रभारी तनय शर्मा ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम पत्र भी लिखा है। प्रदेश सह सचिव अमन पटान ने कहा, सरकार लगातार पिछड़ों का अपमान करती आई है ऐसे में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जी के सम्मान में दलित समाज से कुलगुरु बनाना एक महत्वपूर्ण कदम होगा। हमें उम्मीद है कि उपराष्ट्रपति महोदय एवं मुख्यमंत्री महोदय हमारी जायज मांग पर ध्यान देंगे और बाबा साहब के सम्मान में उचित निर्णय लेंगे।

इस संबंध में, विश्वविद्यालय एनएसयूआई प्रभारी तनय शर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र में लिखा कि संविधान के शिल्पकार बाबा साहब आंबेडकर ने सर्व समाज को समानता दिलाने के उद्देश्य से संविधान को गढ़ा था। ऐसे में शैक्षणिक क्षेत्र में दलित समाज का नेतृत्व होना जरूरी है। यह निर्णय हमारे विश्वविद्यालय में सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया जा सकेगा।

शासकीय विद्यालयों में पर्याप्त विद्युत व्यवस्था के लिये दिये गये निर्देश

लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किया परिपत्र
भोपाल (नप्र)। शासकीय विद्यालयों की कक्षाओं में विद्युत व्यवस्था के संबंध में मिलने वाली शिकायतों को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिये है। निर्देशों में कहा गया है कि सदी में ठंडी हवा से बचाव के लिये बिछड़कियों को बंद करने पर कक्षाओं में पर्याप्त प्रकाश की आवश्यकता बढ़ जाती है। प्रकाश के अभाव में विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसमें सुधार के लिये कक्षाओं में आवश्यक प्रकाश की व्यवस्था की जाये।

प्रत्येक कक्षा में कम से कम 4 एलईडी ट्यूबलाईट की व्यवस्था की जाए। प्रकाश व्यवस्था के लिये 7 हजार 125 हार्ड और हायर सेकण्डरी स्कूलों में प्रति विद्यालय के मान से 20 हजार रुपये की राशि सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई है। शाला प्रभारियों को प्रकाश व्यवस्था के साथ बिजली के स्विच बोर्ड और आंतरिक विद्युतीकरण व्यवस्था अन्तर्गत तार की मरम्मत के लिये भी कहा गया है। ऐसे शासकीय विद्यालयों में जहाँ विद्युतीकरण नहीं है, एमपीबीवी से प्राक्लन प्राप्त कर स्वीकृति के लिये विरिष्ठ कार्यालय को भेजे जाएं। उक्त कार्य को प्राथमिकता दिये जाने के लिये भी कहा है।

दो लाख 11 हजार से अधिक किसानों से खरीदी गई 14 लाख मीट्रिक टन धान

भोपाल(नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक दो लाख 11 हजार 780 किसानों से 14 लाख 9 हजार 493 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान की खरीदी के लिये 1358 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। धान का उपार्जन 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रुपये है।

धान की खरीदी जिला पत्रा में 36,875, दमोह 26,655, सागर 5110, शहडोल 73,311, अनूपपुर 30,512, उमरिया 40,488, रीवा 1 लाख 61 हजार 640, सतना 1 लाख 57 हजार 85, सिंगरौली 56,394, सीधी 40,959, मऊगंज 39,672, मेहर 51,501, सीहोर 8682, रायसेन 11, 409, विदिशा 518, नर्मदापुरम 54,276, बैतुल 15,243, हरदा 129, कटनी 1 लाख 47 हजार 850, बालाघाट 1 लाख 82 हजार 287, मंडला 77,746, नरसिंहपुर 32,145, सिवनी 58,286, जबलपुर 89,045, डिंडोरी 8720, छिंदवाड़ा 2597, भिण्ड 207, शिवपुरी 92, अलीराजपुर 46 और झाबुआ जिले में 13 मीट्रिक टन की जा चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय टाइगर तस्कर ताशी शेरपा की जमानत निरस्त

भोपाल(नप्र)। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश को मिली बड़ी सफलताएसटीएसएफ ने विगत 08 वर्षों से फरार अंतर्राष्ट्रीय टाइगर तस्कर ताशी शेरपा को भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) से 24 जनवरी 2024 को गिरफ्तार किया था। उक्त आरोपी मध्यप्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व,



नर्मदापुरम के अंतर्गत वन्यजीव टाइगर व पेंगोलिन के अवयवों के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अवैध व्यापार के गिरोह के सरगना है व विगत 08 वर्षों से फरार था। ताशी शेरपा टाइगर तस्कर की जमानत याचिका कई बार विभिन्न न्यायालयों (मजिस्ट्रेट, सत्र न्यायालय व उच्च न्यायालय) द्वारा खारिज की जा चुकी है। इसके उपरांत उक्त आरोपी ने सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी, जिसकी विस्तृत सुनवाई उपरांत सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये जमानत याचिका निरस्त कर दी तथा न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम को जुलाई 2025 तक प्रकरण के निराकरण करने के निर्देश भी दिये।

इस प्रकरण में एसटीएसएफ ने कुल 29 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है जिनके विरुद्ध मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय नर्मदापुरम के द्वारा 05-05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं कुल 7 लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड का आदेश पारित किया गया है एवं प्रकरण में 3 देशों के 7 अंतर्राष्ट्रीय तस्कर फरार है।

भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में लाने के लिए म.प्र. प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

सिंहस्थ महापर्व आयोजन के लिए प्रावधान का अनुरोध, केन्द्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत को बढ़ाया जाये

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को समग्र रूप से विकसित करने तथा विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में लाने के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में कुशल वित्तीय प्रबंधन के परिणामस्वरूप प्रदेश राजस्व आधिक्य की स्थिति में है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने उज्जैन में 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व की चर्चा करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा सिंहस्थ क्षेत्र में सुनियोजित रूप से विकास व जन-सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था के लिए आगामी बजट में 'सिंहस्थ' आयोजन के लिए विशेष प्रावधान का अनुरोध किया।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ हुई प्री-बजट मीटिंग में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि विशेष पूंजीगत सहायता योजना के संबंध में आम जनता के जीवन-यापन में सकारात्मक परिवर्तन भी हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश का कुल पूंजीगत व्यय रूपये 46 हजार 798 करोड़ था जो लगभग 23 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2023-24 में रूपये 57 हजार 348 करोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में लगभग रूपये 64 हजार 738 करोड़ का पूंजीगत व्यय अनुमानित है। वर्ष 2024-25 के लिए रूपये 6 हजार 187 करोड़ 73 लाख की राशि प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने राज्य की ओर से बजट की तैयारी से संबंधित सुझाव देते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत वित्त



पोषित राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजनाओं में वित्त पोषण की वर्तमान व्यवस्था पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से 2024 के मध्य प्रतिवर्ष 0.29 प्रतिशत से लेकर 0.44 प्रतिशत तक की जीवन-प्रत्याशा में वृद्धि हुई है। योजनान्तर्गत हितग्राहियों की वर्तमान पूंजीबद्ध संख्या 24 लाख 14 हजार से बढ़कर 29 लाख 43 हजार होना अनुमानित है। केन्द्र सरकार द्वारा मात्र 15 लाख 75 हजार हितग्राहियों के मान से ही वित्त पोषण किए जाने से राज्य सरकार को अतिरिक्त व्यय वहन करना पड़ रहा है। वर्ष 2013-14 में योजना के हितग्राहियों की संख्या की अधिकतम सीमा के पुनरीक्षण पर विचार किया जाना चाहिए।

जल जीवन मिशन की शेष राशि जारी करने का

आग्रह- जल जीवन मिशन योजना के लिये उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि केन्द्र से मिशन की दूसरी किस्त की द्वितीय व तृतीय ट्रेच की राशि रूपये 1 हजार 422 करोड़ की राशि प्राप्त नहीं होने से राज्य सरकार ने स्वयं के स्त्रोतों से योजनाओं के कार्यों को जारी रखा है। वर्ष 2024-25 में इन कार्यों के लिए रूपये 17 हजार करोड़ की आवश्यकता अनुमानित है, जिसमें केन्द्र की सहभागिता के अनुसार प्रदेश को रूपये 8 हजार 500 करोड़ की राशि भारत सरकार से अपेक्षित है। उन्होंने केन्द्रांश के लिए रूपये 4 हजार 456 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान करने और द्वितीय किस्त की शेष राशि रूपये 1 हजार 422 करोड़ उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

खाद्यान्न उपार्जन की लागत के व्ययों की प्रतिपूर्ति दरों का पुनर्निर्धारण- उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश एक आधार स्तंभ बनने की क्षमता रखता है :अमिताभ कांत

तीन दिवसीय मध्यप्रदेश सिविल सर्विसेज मीट का उद्घाटन



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीन दिवसीय मध्यप्रदेश सिविल सर्विसेज मीट का उद्घाटन शुक्रवार को किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जी-20 इंडिया के शेरपा तथा नीति आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री अमिताभ कांत ने अपने उद्घोषन में कहा कि भारत 30 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में मध्यप्रदेश की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। मध्यप्रदेश अपनी विशाल प्राकृतिक संपदा, रणनीतिक स्थिति और विकास की अपार संभावनाओं के साथ, विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एक आधार स्तंभ बनने की क्षमता रखता है।

श्री अमिताभ कांत ने कहा कि मध्यप्रदेश को अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत का वरदान प्राप्त है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों, इसके

विशाल राष्ट्रीय उद्यानों एवं टाइगर रिजर्व के नेटवर्क के कारण, यह राज्य भारत का अग्रणी पर्यटन गंतव्य बना है। मध्यप्रदेश अपनी पर्यटन क्षमता से राजस्थान और केरल जैसे राज्यों को वैश्विक पर्यटन बाजार में कड़ी टक्कर दे रहा है।

श्री अमिताभ कांत ने कहा कि भारत की दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की विकास यात्रा तब ही पूरी होगी जब इसके राज्य भी सतत प्रगति करें। विकसित मध्यप्रदेश की यात्रा विकसित भारत के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह मेल खाती है। मध्यप्रदेश प्रगति, नवाचार और समावेशिता का आदर्श बनकर, भारत को वैश्विका आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

उद्घाटन सत्र के बाद 'नई-पुरानी बातें' विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया- उद्घाटन सत्र के

सीएम ने सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस पर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा, सुरक्षा, बंधुत्व के ध्येय वाक्य के साथ देश की रक्षा के लिए समर्पित मां भारती के वीर सपूतों को नमन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सपूतों पर राष्ट्र को गर्व है।

जयपुर की सड़क दुर्घटना पर सीएम ने शोक जताया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजस्थान के जयपुर में भीषण सड़क दुर्घटना में कई अनमोल जिवितियों के असमय काल कबलित होने का समाचार हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा को शांति और शोकाकुल परिजनों को असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की।

भाजपा विधायक बोले-शाह ने जो कहा, बिल्कुल सही कहा

कांग्रेस विधायक का जवाब- देश में मूर्खों की कमी नहीं; अंबेडकर पर दिए बयान पर विरोध
भोपाल (नप्र)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डॉ. भीमराव अंबेडकर पर दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस हमलावर है। वहीं बीजेपी भी संसद में गुरुवार को हुई धक्का-मुक्की की घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है।मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, बीजेपी विधायकों ने राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस बीच गुना के बीजेपी विधायक पन्नालाल शाक्य ने



अमित शाह के बयान को सही बताया है। विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद मीडिया के सवाल पर पन्नालाल शाक्य ने कहा- अमित शाह ने जो कहा वो बिल्कुल सही कहा है। शाक्य के बयान पर कांग्रेस विधायक फूल सिंह बैरैया ने कहा कि इस देश में मूर्खों की कमी नहीं है।

सीएमओ को बीस हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त ने पकड़ा

सतना (नप्र)। नगर पालिका मैहर में विभिन्न कार्यों का बिल पास करने की आवाज में ठेकेदार से 20, 000 की रिश्वत लेते हुए नगर पालिका मैहर के सीएमओ लालजी ताम्रकार को गैरा लोकायुक्त पुलिस ने रो हाथ पकड़ लिया है। लोकायुक्त ने उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है और उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया है।

ठेकेदार से मांगे थे पैसे- ये कार्रवाई सीएमओ के निज निवास मैहर में की गई है। लोकायुक्त कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शुकुवार की सुबह सीएमओ लालजी ताम्रकार के निज निवास पर



ठेकेदार शिवेंद्र सिंह निवासी उचेहरा जिला सतना के उपस्थिति में उक्त कार्रवाई की गई है। ठेकेदार शिवेंद्र सिंह नेगेट दोनों लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी।

तीस हजार रुपए रिश्वत की मांग- नगर पालिका मैहर के सीएमओ लालजी ताम्रकार द्वारा उनके द्वारा किए गए काम का बिल पास करने के लिए तीस हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहे हैं। उक्त मामले में ठेकेदार द्वारा पूर्व में 10000 उन्हें दिए जा चुके हैं। शिकायत की जांच करते पर पता चला कि अभी भी लालजी टपका द्वारा 20000 रुपए की रिश्वत की मां की जा रही है।

जमानत पर किया रिहा- शुकुवार को लोकायुक्त टीम ने 16 सदस्य टीम के साथ उक्त कार्रवाई करते हुए लालजी ताम्रकार को रो हाथ पकड़ लिया, उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया है। लोकायुक्त में मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

हाईकोर्ट की सख्ती, नर्सिंग काउंसिल के चेयरमैन और रजिस्ट्रार नपे

सरियाम नए चेयरमैन, कृष्ण कुमार रजिस्ट्रार बने

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश सरकार ने शुकुवार को नर्सिंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. जितेन चंद्र शुक्ला और रजिस्ट्रार अनीता चांद को पद से हटा दिया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर सरकार ने ये कार्रवाई की है।दरअसल, गुरुवार को सुनवाई में हाईकोर्ट ने बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज फजीवाड़े मामले को लेकर राज्य सरकार पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने निर्देश दिए थे कि 24 घंटे के भीतर आदेश का पालन करते हुए नर्सिंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. जितेन चंद्र शुक्ला और रजिस्ट्रार अनीता चांद को पद से हटया जाए।सरकार ने मनोज सरियाम को नर्सिंग काउंसिल का चेयरमैन और कृष्ण कुमार रावत को रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार दिया है, हालांकि इसकी घोषणा होना बाकी है।
अपात्र कॉलेज को बताया था स्टूटबल-हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाने वाले वकील विशाल बघेल ने बताया था कि 2021-22 में भोपाल के आरकेएस कॉलेज को अपात्र होने के बावजूद भी तत्कालीन इंस्पेक्टर अनीता चांद ने स्टूटबल बताया था। याचिका में आरोप लगाया कि रिपोर्ट दिखाकर कॉलेज को मान्यता दिलवाने में सहयता करने वाली अनीता चांद को गड़बड़ी पर कार्रवाई के बाजूय पुरस्कृत करते हुए नर्सिंग काउंसिल का रजिस्ट्रार बना दिया था।
हाईकोर्ट ने नर्सिंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. जितेन चंद्र शुक्ला और रजिस्ट्रार अनीता चांद को पद से हटाने के निर्देश दिए थे।
दरअसल, नर्सिंग फजीवाड़ा मामले में ला स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की जनहित याचिका के साथ सभी मामलों पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में आवेदन पेश कर बताया गया कि हाईकोर्ट ने 12 दिसंबर को नर्सिंग काउंसिल के चेयरमैन और रजिस्ट्रार को तत्काल हटाने के निर्देश दिए थे, उस आदेश का पालन नहीं करते हुए मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव ने दोषी अधिकारियों को संरक्षण दिया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव और व्यवस्थाओं को सुव्यवस्था में बदलने में सक्षम: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● विश्व में देश की विशिष्ट पहचान बनाने में आईएसएस अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका ● सर्विस मीट का विचार मंथन नए दौर के नए मध्यप्रदेश के निर्माण में सहायक ● मुख्यमंत्री ने म.प्र. आईएसएस एसोसिएशन के सिविल सर्विस मीट –2024 का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत जैसे विशाल और विविधताओं वाले देश की विश्व में विशिष्ट छवि बनाने में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज भारत की अलग पहचान बनी है और देश को आदर-सम्मान के साथ देखा जाता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा का स्वरूप अन्य सेवाओं से भिन्न है। कठोर परिश्रम के साथ-साथ ईश्वर प्रदत्त भाग्य से ही मनुष्य को भारतीय प्रशासनिक सेवा से जन सेवा का अवसर प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश आईएसएस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सिविल सर्विस मीट-2024 का प्रशासन अकादमी में शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंगवास्त्रम् भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

दक्षता से लिए गए निर्णयों से ही अधिकारी इतिहास बनाते हैं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौराणिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि ईश्वर प्रदत्त यश का सदुपयोग जनहित में करना ही श्रेष्ठतम है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, लोगों के



निर्णयों के क्रियान्वयन में आईएसएस अधिकारियों की दक्षता प्रशंसनीय

जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और व्यवस्थाओं को सुव्यवस्था में बदलने में सक्षम हैं। व्यक्तिगत स्तर पर की गई ऐसी पहल, सुख और संतोष प्रदान करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार बेहतर अवसरों के साथ अपनी दक्षता और सूझ-बूझ से लिए गए निर्णय और उनके बेहतर क्रियान्वयन से ही अधिकारी इतिहास बनाते हैं।

सेवाकाल के बाद भी देश की उन्नति और जनकल्याण में दें योगदान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिविल सर्विस मीट का विचार मंथन नए दौर के नए मध्यप्रदेश के निर्माण में सहायक होगा। प्रशासनिक अधिकारियों के लंबे अनुभवों को

साझा करने के लिए किसी संस्था की संरचना करने पर विचार होना चाहिए। इससे अलग-अलग क्षेत्र के व्यक्तियों के साथ विचारों के आदान-प्रदान तथा सेवाकाल के बाद भी देश की उन्नति और जन कल्याण में अपना योगदान देने के लिए मंच उपलब्ध हो सकेगा। वैश्विक परिदृश्य में हो रही घटनाओं की दृष्टि से भारत का वर्तमान समय बहुत अनुकूल और सकारात्मक है। पड़ोसी देशों में हो रहे घटनाक्रम से इसका आंकलन किया जा सकता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की व्यवस्थाएं विश्व में आदर्श प्रस्तुत कर रही हैं। इसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का योगदान महत्वपूर्ण है।

विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

अंबेडकर-राहुल गांधी पर बीजेपी-कांग्रेस में टकराव ; राष्ट्रगान के बिना सत्र समाप्ति पर विपक्ष का ऐतराज



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले शीतकालीन सत्र में शून्य काल के दौरान बीजेपी विधायक सीतासरन शर्मा ने राहुल गांधी पर संसद में धक्का-मुक्की का आरोप लगाया। इस पर कांग्रेस ने कहा- जो व्यक्ति सदन का सदस्य नहीं है, उसका मामला यहां कैसे उठया जा रहा है। राहुल गांधी को बदनाम किया जा रहा है लेकिन बीजेपी नेताओं ने अंबेडकर जी का जो अपमान किया, उस पर सरकार मौन है। कांग्रेस के विधायकों ने सदन में नीले गमछे लहराए। दोनों ओर से शोर-शराबे और हंगामे के चलते स्पीकर ने कार्यवाही स्थगित कर दी। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बैरैया ने कहा- सत्र की समाप्ति के पहले राष्ट्रगान नहीं हुआ। ये सदन का अपमान है।

संविधान की कांपी लेकर पहुंचे थे कांग्रेस विधायक- सत्र में हिस्सा लेने के लिए

कांग्रेस विधायक आज सुबह संविधान की प्रतियां लेकर विधानसभा पहुंचे थे। वे तीन दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संसद में डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी का विरोध जता रहे थे।

नेत प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने कहा- बीजेपी द्वारा संविधान का अपमान किया जा रहा है। संविधान निर्माता अंबेडकर जी के बारे में गलत शब्द कहे गए। मोदी और शाह ने अभी तक माफ़ी नहीं मांगी। राहुल गांधी और खड़गे जी जब इस बारे में बात कर रहे थे तो बीजेपी सांसदों ने धक्का-मुक्की की। उन पर झूठा केस लगाया। हमारी मांग है कि टिप्पणी के लिए शाह माफ़ी मांगें और राहुल जी पर दर्ज झूठा प्रकरण वापस लिया जाए।

कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने सरकारी हॉस्टल में दो छात्रों की मौत का मुद्दा उठाया। बोले कि मामले में अधिकारी गलत जवाब दे रहे हैं। धार विधायक नीना वर्मा ने पूछा- स्कूलों के

अप्रोडेशन की कोई योजना है क्या? इस पर मंत्री विजय शाह ने कहा- इस सत्र में ऐसी कोई योजना नहीं है।

पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने कहा-जल जीवन मिशन के काम की क्वालिटी ठीक नहीं है। ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करें।

बीजेपी विधायक व पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा- जल जीवन मिशन का निष्पक्ष रूप से ऑडिट कराया जाए कि वर्तमान में स्थिति क्या है? कई योजनाएं जो 2 साल में पूरी होनी थीं, 5 साल होने के बाद भी कंपलीट नहीं हुईं।

जबलपुर काया बुधनी-हरदा रेल लाइन को देवास के संदलपुर तक जोड़ने, गुना-अशोकनगर-ललितपुर-टीकमगढ़-छतरपुर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के अशासकीय संकल्प पारित। केंद्र को भेजे जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री बोले- सत्र से सभी विधायक संतुष्ट - उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा- शीतकालीन सत्र से सभी विधायक संतुष्ट हैं। सभी ने पांच दिन के इस सत्र में अपने क्षेत्र और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए विधानसभा के फ्लोर का सदुपयोग किया है। अनुपूरक बजट में उन सभी चीजों को कुशलता के साथ शामिल किया गया है, जो मध्यप्रदेश के विकास को गति देने के लिए आवश्यक हैं।
मंत्री ने कहा- हंगामे में राष्ट्रगान का अपमान होता- मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा- विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। विपक्ष इतना हंगामा कर रहा था। ऐसे में राष्ट्रगान नहीं होता, उसका अपमान होता है।

मालवीय बोले- सदन में गमछे लहराना कांग्रेस की ओखी हरकत- घंटिया विधायक सतीश मालवीय बोले- विधानसभा में कभी भी ऐसी घटना नहीं हुई है। सदन में गमछे लहराना कांग्रेस की ओखी हरकत है।सदन की अपनी मर्यादा है। विधानसभा की कार्यवाही संविधान के हिसाब से चलती है। इसकी गरिमा बनाए रखना चाहिए।

विवि- शिक्षक देश और समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए युवा पीढ़ी को करें तैयार : राज्यपाल पटेल

युवाओं के कौशल विकास और स्पष्ट मार्गदर्शन के साथ ही विश्वविद्यालयों को बनाएंगे आत्मनिर्भर : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महु में डॉ. बी आर अंबेडकर की प्रतिमा पर मातृपार्षण कर नमन किया

भोपाल/महु (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए समरस, समावेशी राष्ट्र के संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि से हमें संविधान के रूप में जाति, लिंग, भाषा, धर्म, धन और शक्ति बल आदि के भेदभावों से मुक्त समावेशी, समरस समाज की धरोहर सौंपी है। राज्यपाल श्री पटेल शुकुवार को महु में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय के 6वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन दे रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

लखनऊ के पूर्व कुलाधिपति डॉ. प्रकाश सी बरततुनिया, विधायक सुश्री उषा ठाकुर उपस्थित थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारा संविधान प्रेरणादायक जीवंत दस्तावेज और स्वतंत्र भारत का आधुनिक धर्म ग्रंथ है, जिसका समर्पित भाव से पालन, हर भारतीय का परम कर्तव्य है। विद्यार्थियों का दायित्व है कि संविधान का अपने आचरण, व्यवहार में समर्थन और संरक्षण करें। समाज के तुलनात्मक रूप से वंचित, पिछड़े वर्गों, समुदायों के भाई बहनों के विकास की जवाबदारी, जिम्मेदारी के साथ स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बाबा साहेब के सपनों के अनुरूप राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा शिक्षण संस्थानों को ऐसे नागरिकों को तैयार करने का अवसर दिया है। यह जरूरी है कि विश्वविद्यालय और शिक्षक, हमारी संस्कृति के अनुरूप देश और समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सामाजिक समृद्धि और समानता के प्रति समर्पित युवा ध्वज



वाहक तैयार करें। राज्यपाल ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि शिक्षण प्रणाली को वह विद्यार्थियों की उद्यमिता को बढ़ावा देने, नवाचार की प्रेरणा देने, चिंतन, नेतृत्व के गुणों के साथ सामाजिक सरोकारों में सहभागिता के संस्कार प्रदान करने वाली बनाएं। युवा ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, देश जब आजादी की 100वीं सालगिरह मनाएगा, देश का नेतृत्व युवा कर रहे होंगे, उस समय विकसित भारत का स्वरूप कैसा हो उसके लिए युवाओं को आज से ही कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि बाबा साहेब अंबेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा दीक्षा ग्रहण करने को गौरव की बात बताते हुए अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने जो सीखा, वो समाज को समर्पित किया। देश का संविधान इस बात का प्रमाण है जिसमें भारत की विविधता भरी संस्कृति, जनजाति नागरिक आदि को एक साथ जोड़ा गया है। बाबा साहेब ने चित्रों के संयोजन से संविधान को गौरवावत

किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री रहने के दौरान इस विश्वविद्यालय में कई संकाय शुरू किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जरूरत के मुताबिक और नए संकाय खोले जाएंगे। जनवरी माह में राज्यपाल की अध्यक्षता में कुलगुरुओं की बैठक में इस पर निर्णय लिए जाने का मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास और स्पष्ट दिशा देने के साथ ही विश्वविद्यालय की आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को उपाधि देने के सिलसिले को आरम्भ करने में राज्यपाल की पहल का अभिनंदन भी किया।
समारोह की साख्खत अतिथि श्री बरतुनिया ने भी संबोधित किया- दीक्षांत समारोह में संस्थान के 16 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। अम्बेडकर विश्वविद्यालय के द्वारा विगत 5 वर्षों में 100 से अधिक शोधार्थियों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।